मुख्य मंत्री

सत्यमेव जयते

महाराष्ट्र

मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२

दिनांक : 21 सितंबर 1995

शुभकामनाएं

भारतीय संस्कृति में त्योहारों की प्राचीन परंपरा है. इन त्योहारों में नवरात्री का दुर्गोत्सव तथा दशहरा एक महत्वपूर्ण त्योहार है. आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से लेकर दशमी तक सारे भारत में किसी न किसी रुप में देवी की पूजा तथा आराधना की जाती है. देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग रुपों में यह नौ दिन का उत्सव मनाया जाता है.

दुर्गापूजा याने शक्तिदेवी की आराधना है. श्री दुर्गा को असुर का नाश करनेवाली देवी के रुप में जाना जाता है. आज के संदर्भ में हम उसे असामाजिक तत्वों का नाश करनेवाली देवी के रुप में मान सकते हैं. इसी कारण आज भी दुर्गापूजा का महत्व कायम है. दुर्गोत्सव में विभिन्न संप्रदायों के लोग भाईचारा, परस्पर सद्‌भाव और राष्ट्रीय एकात्मता को बढ़ावा दे सकते हैं.

प्रबासी सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, खोपोली के दुर्गापूजा उत्सव के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं.

(मनोहर जोशी)